मुसीबत सेप्सिस बन सकती है बड़ी हेल्थ समस्या 'साइलेंट किलर' की तरह करती काम

एक ऐसी बीमारी जिससे बचना आसान नहीं

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. दुनिया में ऐसी कई खतरनाक बीमारी है, जिससे बचना आसान नहीं होता है. उनमें से एक है सेप्सिस. जिसके बारे में आवश्यक जागरूकता फैलाने के लिए सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल ने सेप्सिस कार्ट और 'गोल्डन ऑवर' लॉन्च किया है. मेडिकल इंटरवेंशन में प्रत्येक घंटे की देरी से सेप्सिस रोगियों में मृत्यु की संभावना 7% तक बढ़ सकती है. इसलिए गोल्डन ऑवर तुरंत कार्रवाई के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है.

बन सकती है देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या

सेप्सिस कार्ट में सभी प्रारंभिक आवश्यकताएं जैसे एंटी-माइक्रोबियल, ब्लड कल्चर, आईवी फ्लूइड और महत्वपूर्ण देखभाल के अन्य उपकरण और पाथवे के साथ सेप्सिस कोड शामिल करेगा. यह इवेंट सेप्सिस के परिणामों में सुधार लाने के लक्ष्य के साथ स्थिति के बारे में सूचित और शिक्षित करने के लिए आयोजित किया गया था. यदि इसे सही ढंग से नहीं संभाला गया तो सेप्सिस अगली बड़ी राष्ट्रीय स्वास्थ्य समस्या बन सकती है. इस इवेंट में सभी डॉक्टरों को साथ लाकर, इसके उपचार के बारे में जानकारी देना था. सेप्सिस, जिसे अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है, एक गंभीर चिकित्सा स्थिति है जो संक्रमण के जवाब में उत्पन्न होती है और उम्र, लिंग या स्वास्थ्य स्थिति की परवाह किए बिना किसी को भी प्रभावित कर सकती है.

भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा हर साल होता है पीड़ित

भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा हर साल सेप्सिस से पीड़ित होता है, जिससे बड़ी संख्या में मौतें होती हैं. डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सेप्सिस सभी वैश्विक मौतों में से लगभग 20% मौतों के लिए जिम्मेदार है. भारत में सेप्सिस का बोझ महत्वपूर्ण है. अनुमान है कि भारत में हर साल सेप्सिस के लगभग 30 मिलियन मामले सामने आते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 300,000 से अधिक मौतें होती हैं. सेप्सिस देश में मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है, जो सभी मौतों का लगभग 10% है.

सेप्सिस एक विकट चुनौती है. लेकिन इसके बारे में सही जागरूकता फैलाने से इससे बचा जा सकता है. यह कार्यक्रम सेप्सिस मामलों के प्रबंधन में जागरूकता और क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

-डॉ राहुल पंडित, अध्यक्ष, सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल